

### संपादकीय

## आफत की बारिश

मानसून की विदाई का समय पूरा होने के बावजूद हो रही मूसलाधार बारिश से देश के विभिन्न भागों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत और जन-जीवन अस्त-व्यस्त होने की खबरें हैं। अकेले उत्तर प्रदेश व बिहार में पाचास से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा खराब स्थिति तो बिहार की राजधानी पटना की हुई, जहां पूरा शहर एक जलाशय में तब्दील हो गया, सड़कों पर नाव चलने लगी। देर से आये मानसून और उत्तर भारत में औसतन कम बारिश के बावजूद सितंबर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। जहां राज्य सरकारें सूखे से जूझने की तैयारी में थीं, वहां बाढ़ जैसे हालात से निपटने की तैयारी करनी पड़ी। एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की मदद से बात न बनी तो वायुसेना से राहत बचाव के लिए हेलीकॉप्टर मंगे गये। मुख्यमंत्री का बयान आया कि कुदरत के सामने किसी की नहीं चलती। उनके बयान को लेकर आलोचना भी हुई कि पानी की निकासी की व्यवस्था करना तो सरकार के हाथ में है। बहराहल, रविवार को मौसम विभाग ने बारिश को लेकर पूर्ण 3.प्र., पटना व पंद्रह अव्य जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। यदि वार्कर्ड तेज बारिश होती है तो राज्य में वर्षा का सौ साल का रिकॉर्ड टूटेगा। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार एक जून से लेकर 29 सितंबर तक बिहार में दो फीसदी बारिश कम हुई है। वैसे पूरे देश में पिछले दस साल में पहली बार सौ फीसदी से ज्यादा बारिश हुई है। जहां मौसम विभाग पहले सामान्य से कम बारिश होने की भविष्यतवाणी कर रहा था, अब बारिश का प्रतिशत 107 हो गया है। अभी एकदम मानसून के लौटने के आसार नहीं हैं। ऐसे में 110 प्रतिशत बारिश होने के कायास लगाये जा रहे हैं, जो खरीद व रसी की फसल के लिये अच्छे संकेत बताये जा रहे हैं। यद्यपि एक तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के मुकाबले दक्षिण भारत में औसतन ज्यादा बारिश हुई है। वैसे चिंता की बात यह है कि ब्लोबल वार्मिंग के घलते बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है। पहले जहां धीमी गति से रिमझिम बारिश होती थी तो रथती पानी सोख लेती थी। साथ ही जल-भराव के विकल्प मौजूद थे। अब जल ग्रहण के अधिकांश परंपरागत स्रोत अवैध कब्जे के शिकार हो गये हैं, अतः बारिश का पानी जलजमाव व बाढ़ के रूप में सामने आता है। दूसरी स्थानीय निकासी की अकर्मण्यता और सरकारों की लापरवाही से जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाती। पटना का उदाहरण लें तो उसके आसपास की सभी नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही थीं, इससे अधिक बारिश होने पर शहर के पानी की निकासी नहीं हो पायी और उसका पानी सड़कों से होता हुआ घरों में घुस गया, जिससे शहर एक झील में तब्दील हो गया। प्लास्टिक के कचरे ने जल निकासी की समस्या को और जटिल बना दिया है। ऐसे में जब मौसम विज्ञानी छह अक्टूबर तक मानसून की विदाई की बात कर रहे हैं तो जनता को कुछ दिन और समस्याओं से दो-चार होना पड़ेगा।

## पाकिस्तान ने श्रीलंका को 5 विकेट से मात दे सीरीज जीती

कराची। पाकिस्तान ने यहां लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी पाकिस्तान को बेहतरीन शुरुआत तीसरे और आखिरी बनडे मैच में पिली। फखर जमन (76) आबिद अली (74) ने पहले विकेट के लिए 123 रनों की सीरीज 20-2 से अपने नाम कर देते हुए तीन मैचों की बनडे खेलों में खेली और सात चौके और एक छक्का लगाया।

इसके बाद पाकिस्तान ने

लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी पाकिस्तान को बेहतरीन शुरुआत तीसरे और आखिरी बनडे मैच में पिली। फखर जमन (76) आबिद अली (74) ने पहले विकेट के लिए 123 रनों की सीरीज 20-2 से अपने नाम कर देते हुए तीन मैचों की बनडे खेलों में खेली और सात चौके और एक छक्का लगाया।

सरफराज अहमद (23), हारिस सोहेल (56), इफितखार अहमद (नाबद 28) ने अंत में सूखबूझ भरी पारी खेल किए तराफ़ के नुकसान पर 297 रन बनाए। पाकिस्तान ने इस लक्ष्य को 48.2 ओवरों में हासिल कर दिया।

इसके पास पाकिस्तान ने

अपना दूसरा विकेट 181 के

कुल स्कोर पर बाबर आजम (31) के रूप में खेला। 189 के कुल स्कोर पर जमन भी अट्ट हो गए। जमन ने 91 गेंदों खेलीं और सात चौके और एक छक्का लगाया।

सरफराज अहमद (23),

हारिस सोहेल (56), इफितखार

अहमद (नाबद 28) ने अंत में

पहले बल्लेबाजी करने उत्तरी श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज दासुका गुणाधिकारा ने 134 गेंदों पर 16 चौके और एक छक्के की मदद से 133 रनों की पारी खेली। दासुन शनका ने 43, लाइरु थिरिमाने ने 36 रन बनाए।

स्पृष्ठी का रजत पदक सर्जन

शुबेनकोव के नाम रहा जिन्होंने

13.15 सेकंड में यह समय

मिला।

चैम्पियनशिप में बुधवार देर

रत हुई इस में मैक्स्टोड

मिला।

इससे पहले, टॉस जीतकर

पाकिस्तान ने दो-चार होना पड़ेगा।

लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी

पाकिस्तान को बेहतरीन शुरुआत

तीसरे और आखिरी बनडे मैच में

पिली। फखर जमन (76)

आबिद अली (74)

ने पहले विकेट के लिए 123 रनों की

सीरीज 20-2 से अपने नाम किया।

इसके बाद पाकिस्तान ने

अपना दूसरा विकेट 181 के

कुल स्कोर पर बाबर आजम (31) के रूप में खेला। 189 के कुल स्कोर पर जमन भी अट्ट हो गए। जमन ने 91 गेंदों खेलीं और सात चौके और एक छक्का लगाया।

सरफराज अहमद (23),

हारिस सोहेल (56), इफितखार

अहमद (नाबद 28) ने अंत में

पहले बल्लेबाजी करने उत्तरी

श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज दासुका गुणाधिकारा ने 134

गेंदों पर 16 चौके और एक छक्के की मदद से 133 रनों की पारी खेली। दासुन शनका ने 43,

लाइरु थिरिमाने ने 36 रन बनाए।

स्पृष्ठी का रजत पदक सर्जन

शुबेनकोव के नाम रहा जिन्होंने

13.15 सेकंड में यह समय

मिला।

इससे पहले, टॉस जीतकर

पाकिस्तान ने दो-चार होना पड़ेगा।

लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी

पाकिस्तान को बेहतरीन शुरुआत

तीसरे और आखिरी बनडे मैच में

पिली। फखर जमन (76)

आबिद अली (74)

ने पहले विकेट के लिए 123 रनों की

सीरीज 20-2 से अपने नाम किया।

इसके बाद पाकिस्तान ने

अपना दूसरा विकेट 181 के

कुल स्कोर पर बाबर आजम (31) के रूप में खेला। 189 के कुल स्कोर पर जमन भी अट्ट हो गए। जमन ने 91 गेंदों खेलीं और सात चौके और एक छक्का लगाया।

सरफराज अहमद (23),

हारिस सोहेल (56), इफितखार

अहमद (नाबद 28) ने अंत में

पहले बल्लेबाजी करने उत्तरी

श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज दासुका गुणाधिकारा ने 134

गेंदों पर 16 चौके और एक छक्के की मदद से 133 रनों की पारी खेली। दासुन शनका ने 43,

लाइरु थिरिमाने ने 36 रन बनाए।

स्पृष्ठी का रजत पदक सर्जन

शुबेनकोव के नाम रहा जिन्होंने

13.15 सेकंड में यह समय

मिला।

इससे पहले, टॉस जीतकर

पाकिस्तान ने दो-चार होना पड़ेगा।

लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी

पाकिस्तान को बेहतरीन शुरुआत

तीसरे और आखिर